ये अव्यक्त इशारे

कम्बाइण्ड रूप की स्मृति से सदा विजयी बनो

19-04-2025

मुझ रूह का करावनहार वह सुप्रीम रूह है। करावनहार के आधार पर मैं निमित्त करने वाला हूँ। मैं करनहार वह करावनहार है। वह चला रहा है, मैं चल रहा हूँ। हर डायरेक्शन पर मुझ रूह के लिए संकल्प, बोल और कर्म में सदा हज़ूर हाज़िर है इसलिए हज़ूर के आगे सदा मैं रूह भी हाज़िर हूँ। सदा इसी कम्बाइन्ड रूप में रहो।

Remain constantly victorious with the awareness of the combined form

The Karavanhar (one who inspires everyone) of myself, this spirit, is the Supreme Spirit. On the basis of Karavanhar, I am an instrument who does everything. I am karanhar (one who does) and He is Karavanhar. He is making me move and I am moving. The Lord is always present with myself, this spirit in every direction in my every thought, word and action. This is how, I, this spirit, am constantly present with the Lord. Constantly stay in this combined form.